TheoryPaper

Part A Introduction

Program:Honours/Research	Class : B.A.	Year:IV	Session: 2024-25

Subject:Sangeet Tall Vaadya (Tabla/Pakhawaj)

1	**Course Code**	**AYMSTVID**
2	**Course Title**	**Indian Classical Music Theory**
3	**Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/)**	**DSE-1**
4	**Pre-requisite (if any)**	To study this course, a student must have had this subject in Degree.
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	**1.On the Basic of Bhartiya Gyan Parampara will be able to gain an understanding of ancient texts on Indian Classical Music** **2. Gain an uderstanding of Taal of the syllabus and the method of writing of these taal.** **3.Gain an understanding of western Notation methods.** **4. Gain understanding of North Indian and South Indian Taals and their peculiarities.** **5.To be able to write Bandish in the form of notation different Taals.**
6	**Credit Value**	**1 Credits**
7	**Total Marks**	Max. Marks: 30 + 70 / Min. Passing Marks:35

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P: Total No. Of Lectures

Unit	Topics	No. of Lectures
I	i. Brief understaning of Taal Chapters of Bharat Natyashastra. ii. Knowledge of Taal Chapter of Sangeet Ratnakar	**4**
II	i Complete understanding and knowledge of Thekas of the following Taals. Dhumali,2) Passhto,3) Gajjhampa,4).Punjabi ii To be able to write down the Taals of the syllabus in thah, Dugun, Tigun, Chaugun.	**4**
III	i. Knowledge Of Staff Notation Style ii Comparative study of North Indian and south Indian Style of Taal.	**4**
iv	I. To be able to create Teehai (Sam to Sam) Aadhachaartaal, Sooltaal, Chautaal. II. To be able to write Kaayada, Palta and Tukda in Aadhachaartaal, Teen Taal Ektaal.	**3**

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Natyashastra ki Teeka - Babulal Shukla Shastri
2. Sangeet Ratnakar ki Teeka - Dr. Subharda Chaudhary.
3. Taal Vaadya Shastra : Dr. Malachandra Marathe
4. Taal Martand : Satyanarayan Vashishth
5. Taal Parichay Bhaag -3- Dr. Girish Chandra shrivastava.

Suggestive digital platforms/ web links

Suggested equivalent online courses:

Department of Higher Education

Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods: Maximum Marks : 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE):70 Marks		
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	**Section(A)** : Very Short Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C) :**Long Questions	70
Any remarks/ suggestions:		

Department of Higher Education

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ–परिचय			
कार्यक्रम: ऑनर्स /शोध	कक्षा : बी. ए.	वर्ष:चतुर्थ	सत्र: 2024-25
विषय : संगीत ताल वाद्य (तवला / पखावाज)			

1	पाठ्यक्रम का कोड	AUMSTVID	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत शास्त्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव	**DSE-1 प्रशनपत्र–1**	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिग्री में किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विदयार्थी निम्न में सक्षम होंगें:** 1. भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित भारतीय प्राचीन संगीत ग्रंथों की जानकारी प्राप्त करेगा। 2. पाठ्यक्रम की तालों का परिख्वय एवं विभिन्न लयकारियों में लिखने का ज्ञान प्राप्त करेगा। 3. याश्चात्य नोटेशन पद्धाति की जानकारी होगी। 4. उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय ताल पद्धति की विशेषताओं से परिचित होगा। 5. विभिन्न तालों में वंदिशों को लिपिवद्ध करने का ज्ञान प्राप्त करेगा।	
6	क्रेडिट मान	1	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	1. भरत कृत नाट्यशास्त्र के तालाध्याय की संक्षिप्त जानकारी। 2. संगीत रत्नाकर ग्रंथ में वर्णित तालाध्याय की जानकारी।	4
II	निम्नांकित तालों का सम्पूर्ण परिचय एवं ठेकों का ज्ञान 1 धुमाली 2 पश्तों 3 गजझंपा 4 पंजावी। 2 पाठ्यक्रम की तालों के ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन, में लिपिवद्ध करने का ज्ञान।	4
III	1. स्टाफ नोटेशन पद्धति की जानकारी। 2. दक्षिण भारतीय ताल पद्धति एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।	4
iv	1. आडाचारताल, सूलताल, चौताल तालों में तिहाईयॉ (सम से सम तक) रचना करने ज्ञान। 2. आडाचारताल, तीनताल, एकाताल में कायदा, पल्टा एवं टुकडा लिपिवद्ध करने का ज्ञान।	3
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:		

Department of Higher Education

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: 1. नाट्यशास्त्र की टीका- वाबूलाल शुक्ला शास्त्री 2. संगीतरत्नाकर की टीका- डॉ. सुभद्रा चौधरी 3. ताल वाद्य शास्त्र- डॉ मालाचन्द्र मराठे 4. ताल मार्तण्ड – सत्यनारायण वशिष्ठ 5. ताल परिचय भाग-3 डॉ. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव 2.**अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेब लिंक**
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेज़ेंटेशन)	**30**
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**70**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Department of Higher Education

Practical Paper

Part A Introduction			
Program:Honours/Research	**Class : B.A.**	**Year:IV**	**Session: 2024-25**
Subject : SANGEET TALL VAADYA (TABLA / PAKHAWAJ)			

1	**Course Code**	**A-4MSTV1Q**	
2	**Course Title**	**INDIAN CLASSICAL MUSIC**	
3	**Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/)**	**Discipline Specific Elective**	
4	**Pre-requisite (if any)**	To study this course, a student must have had this subject in Degree.	
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	On successful completion of this course, students will be able to: 1. To be able to play teentaal Bandish of different Gharanas. 2. To be able to independently play the Taal of the syllabus 3. To be able to play taal of the syllabus with Theka and demonstrate the taal with the help of Hands. 4. Knowledge of Theka of Taal in visham Matraa.	
6	**Credit Value**	**03**	
7	**Total Marks**	Max. Marks: 30 + 70	Min. Passing Marks:35

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures** (2 Hour Each)
I	To be able to play special Bandish in teentall, for a minimum of 20 minutes.	**12**
II	To be able to demonstrate and play taal of the syllabus dhumali, Pashto, Gajjhampa, Punjabi	**11**
III	General knowledge of the rhythms used in Sugam Sangeet and knowledge by accompanying on the instrument.	**11**
IV	knowledge of padhant with help of hands Clapping	**11**
Keywords/Tags:		

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. नाट्यशास्त्र की टीका - बाबूलाल शुक्ला शास्त्री
2. संगीतरत्नाकर की टीका - डॉ. सुभद्रा चौधरी
3. ताल वाद्य शास्त्र - डॉ. मालाचन्द्र मराठे
4. ताल मार्तण्ड - सत्यनारायण वशिष्ठ
5. ताल परिचय भाग - 3 डॉ. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव

Suggestive digital platforms/ web links

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE):70 Marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	**Section(A)** : Very Short Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C) :**Long Questions	70

Any remarks/ suggestions:

Department of Higher Education

प्रायोगिक प्रश्नपत्र

भाग अ–परिचय			
कार्यक्रम: ऑनर्स /शोध	कक्षा : बी. ए.	वर्ष:चतुर्थ	सत्र: 2024-25
विषय : संगीत ताल वाद्य (तबला/पखावज)			

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A-4MSTV1Q**	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत शास्त्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिग्री में किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे :** 1. **तीनताल में विभिन्न घरानों की वंदिशों का वादन करने की क्षमता का ज्ञान होना।** 2. **पाठ्यक्रम के तालों में स्वतंत्र वादन करने की क्षमता।** 3. **पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने की जानकारी एवं हाथ की क्रिया से प्रदर्शन की क्षमता का विकास होगा।** 4. **विषम मात्राओं के तालों के ठेकों का ज्ञान होगा।**	
6	क्रेडिट मान	**02**	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (2 घंटे / व्याख्यान
I	तीनताल में वंदिशों सहित न्यूनतम 20 मिनिट वादन करने की क्षमता	**12**
II	पाठ्यक्रम की तालों धुमाली, पश्तो, गजझंपा पंजाबी के ठेकों का ज्ञान एवं वादन करने की क्षमता।	**11**
III	सुगत संगीत में प्रयुक्त तालों का सामान्य ज्ञान एवं वाद्य पर संगति करने कर ज्ञान	**11**
IV	हाथ की ताली से पढन्त करने का ज्ञान।	**11**
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:		

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: 1. नाट्यशास्त्र की टीका - बाबूलाल शुक्ला शास्त्री 2. संगीतरत्नाकर की टीका - डॉ. सुभद्रा चौधरी 3. ताल वाद्य शास्त्र - डॉ. मालाचन्द्र मराठे 4. ताल मार्तण्ड - सत्यनारायण वशिष्ठ 5. ताल परिचय भाग - 3 डॉ. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव 2.**अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेब लिंक**
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

Department of Higher Education

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 70		
आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	**30**
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**70**
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

Department of Higher Education